International Journal of Academic Excellence and Research (IJAER)
ISSN: 3107-3913(Online)
Vol. 01, No. 02, April-June, 2025, pp 40-45
© Copyright by MGM Publishing House (MGMPH)
www.mgmpublications.com

माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर विद्यालयी वातावरण के प्रभाव का अध्ययन

रेणु चौधरी[1*] | डॉ. संजय कुमार केडिया[2]

[1]शोधकर्त्री, शिक्षा विभाग, आई.आई.एस. (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), जयपुर, राजस्थान।
[2]विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, आई.आई.एस. (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), जयपुर, राजस्थान।

[*]**Corresponding author:** renubhamu.25@gmail.com

Citation: चौधरीरेणु, & केडियासंजय कुमार. (2025). माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर विद्यालयी वातावरण के प्रभाव का अध्ययन. International Journal of Academic Excellence and Research, 01(02), 40–45. https://doi.org/10.62823/mgm/ijaer/01.02.74

सारः *शैक्षिक गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए अनेक क्षेत्रों में कार्य किए जाते हैं, इनमें विद्यालय बातावरण के क्षेत्र में किए गए कार्य शैक्षिक दक्षता बढ़ाने की दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं। विद्यार्थियों की शैक्षिक दक्षता बढ़ने के कारण उनके आत्मविश्वास में वृद्धि संभव होती है। प्रस्तुत अध्ययन में माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर विद्यालयी वातावरण के प्रभाव का अध्ययन किया गया हैं।*

Article History:
Received: 10 June 2025
Accepted: 23 June, 2025
Published: 30 June, 2025

शब्दकोशः
माध्यमिक विद्यालय, विद्यार्थी, आत्मविश्वास, विद्यालय वातावरण, शैक्षिक दक्षता।

प्रस्तावना

शिक्षा का अर्थ उस प्रक्रिया से है जिसके द्वारा छात्रों में निहित क्षमताओं तथा योग्यताओं का इस प्रकार प्रयोग करना हैं कि उनका अधिकतम विकास हो ताकि छात्र अपना तथा समाज का सर्वागीण विकास कर सकें। शिक्षा छात्रों को इस योग्य बनाती हैं कि वे समाज के उत्तरदायी घटक के नाते अपना कर्तव्य भली प्रकार निभा सकें।

गांधी जी – ''शिक्षा से मेरा अभिप्राय बालक और मनुष्य के शरीर, मन और आत्मा के सर्वोत्तम गुणों को व्यक्त करना है अथवा बाहर निकालना है।''

शिक्षा छात्र को क्षमताशील बनाती है, अज्ञान के बदले ज्ञान का भण्डार भरती है तथा विचारों, आदर्शों एवं अभिप्रेरणाओं में परिवर्तन लाती है। संसार के अधिकाशः परिवर्तन शिक्षा के माध्यम से ही आते हैं। शिक्षा ही बालक को व्यावहारिक, शिक्षित, सभ्य, सुसंस्कृत एवं परिष्कृत बनाती है। औपचारिक रूप से बालक को शिक्षा विद्यालय में प्रदान की जाती है। विद्यालय ही वह स्थान है जहां पर अलग–अलग भाषा, धर्म, जाति वाले बालक एक साथ समूह के रूप में अध्ययन करते हैं और विद्यालयी वातावरण के अन्तर्गत विद्यालय के कक्षा, कमरे, भवन, आस–पड़ोस, क्रीडा स्थल, बैठने का प्रबंध, वायु प्रकाश एवं पेयजल, एकल कार्यक्रम व समय सारणी तथा कार्य करने की अनुकूल परिस्थितियों को सम्मिलित किया जाता है।

[*] *Copyright © 2025 by Author's and Licensed by MGM Publishing House. This is an open access article distributed under the Creative Commons Attribution License which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work properly cited.*

विद्यार्थी की शिक्षा संबंधी उपलब्धियाँ व आत्मविश्वास उसके जीवन का आधार होता है तथा सही राह प्रशस्त करने में सहायता करता है। किसी कार्य को पूर्ण योग्यता एवं कुशलता के साथ कर सकने का विश्वास होना ही आत्मविश्वास है। विद्यार्थी के आत्मविश्वास पर विभिन्न प्रकार के कारकों का भिन्न–भिन्न प्रभाव पड़ता है जैसे परिवार समाज, मित्र–मंडली, विद्यालयी वातावरण व शैक्षिक आकांक्षाएँ आदि। यद्यपि इन सबके बावजूद यह ध्यान रखने की आवश्यकता है कि विद्यालयी वातावरण जैसे कारक किस दिशा में कार्य कर रहे है? अतः विद्यार्थी के लिए ऐसी शिक्षा तथा वातावरण की व्यवस्था की जाए ताकि बालक की शैक्षिक उपलब्धियाँ व आत्मविश्वास का स्तर उच्च हो सकें। प्रस्तुत शोध में माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर विद्यालयी वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करने का प्रयास किया गया है।

समस्या कथन

माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर विद्यालयी वातावरण के प्रभाव का अध्ययन।

संबंधित साहित्य का अध्ययन

गुप्ता और लखानी (2018) ने माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के बीच आत्मविश्वास का अध्ययन किया। आत्मविश्वास के लिए स्व–निर्मित पैमाना और भारद्वाज के पालन पोषण के पैमाने को 400 विद्यालय छात्रों के न्यादर्श पर नियोजित किया गया। निष्कर्ष में पाया गया कि माता–पिता की शैली से आत्मविश्वास अत्यधिक प्रभावित पाया गया। **हरिनारायणन और पझानिवेलू (2018)** ने बताया कि पर्यावरण छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि को प्रभावित करता है। अध्ययन में शोधकर्ता ने शैक्षणिक उपलब्धि पर विद्यालयी पर्यावरणीय कारकों के प्रभाव को निर्धारित करने का प्रयास किया है। शोधकर्ता द्वारा स्तरीकृत यादृच्छिक विधि द्वारा न्यादर्श के रूप में 300 छात्रों का चयन किया गया। निष्कर्षों से पता चला कि माध्यमिक विद्यार्थियों में विद्यालय वातावरण के माहौल के साथ उच्च स्तर की परिचितता थी तथा विद्यालय वातावरण का शैक्षणिक प्रदर्शन पर लाभकारी प्रभाव पड़ता है। **तापिया–फोनूएम एवं अन्य (2020)** ने विद्यालयी वातावरण और बच्चों की भलाई के बीच संबंध का पता लगाने के लिए 405 मैक्सिकन प्राथमिक विद्यालय के छात्रों पर अध्ययन किया। विद्यालयी वातावरण के विभिन्न आयाम जैसे कक्षा, विद्यालय परिसर, पुस्तकालय और छात्र के संबंध, शिक्षण विधियाँ, मूल्यांकन प्रणाली, शिक्षण रणनीतियाँ, मूल्य, सामाजिक सह–अस्तित्व और स्थिरता का छात्रों के विकास पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा। निष्कर्ष में पाया गया कि उत्तर पश्चिमी मैक्सिकन छात्रों पर विद्यालयी वातावरण का सकारात्मक प्रभाव पड़ा। **रोएबक (2020)** ने अमेरिकी छात्रों के बीच विद्यालयी वातावरण, शैक्षणिक प्रदर्शन और छात्र कल्याण पर अध्ययन किया। शोधकर्त्ता ने बताया कि सामान्य तौर पर विद्यालयी वातावरण और विशेष रूप से भौतिक वातावरण का छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन और विकास पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। विद्यालय के भौतिक वातावरण या बाहरी स्वरूप का छात्रों के मन और स्वास्थ्य पर आकर्षक प्रभाव पड़ता है। निष्कर्ष में पाया गया कि विद्यालयी वातावरण का छात्रों के विकास (शारीरिक और मानसिक) एवं शैक्षिक उपलब्धि पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा। **नलबुर, वी. (2021)** ने अध्ययन किया कि क्या प्राथमिक विद्यालय में अंतर विषय कला शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों का आत्मविश्वास, लिंग उम्र और उच्च विद्यालय के प्रकार के अनुसार भिन्न होता है जिससे उन्होंने स्नातक किया है। शोध में सर्वेक्षण पद्धति का उपयोग किया गया। अध्ययन में 112 छात्रों का निर्धारण यादृच्छिक न्यादर्श तकनीक द्वारा किया गया। अध्ययन में भाग लेने वाले छात्रों के आत्मविश्वास के स्तर को निर्धारित करने के लिए अकिन (2007) द्वारा विकसित आत्मविश्वास पैमाने का उपयोग किया गया। शोध के निष्कर्ष से ज्ञात हुआ कि विद्यार्थियों का आत्मविश्वास अंक काफी अधिक पाया गया।

शोध के उद्देश्य

- माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर उनके विद्यालयी वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना।
- माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों के आत्मविश्वास पर उनके विद्यालयी वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना।

- माध्यमिक विद्यालयों की छात्राओं के आत्मविश्वास पर उनके विद्यालयी वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पनाएँ

- माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर उनके विद्यालयी वातावरण का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है
- माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों के आत्मविश्वास पर उनके विद्यालयी वातावरण का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।
- माध्यमिक विद्यालयों की छात्राओं के आत्मविश्वास पर उनके विद्यालयी वातावरण का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

शोध अध्ययन विधि

प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण विधि को प्रयुक्त किया गया है।

शोध के चर

- **स्वतन्त्र चर –** विद्यालयी वातावरण
- **आश्रित चर –** आत्मविश्वास

शोध की जनसंख्या

प्रस्तुत शोध के लिए जयपुर जिले के माध्यमिक विद्यालयों में अध्यनरत विद्यार्थियों को जनसंख्या के रूप में सम्मिलित किया गया है ।

शोध का न्यादर्श

जयपुर जिले के माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा 9 व 10 के 480 विद्यार्थियों का चयन न्यादर्श के रूप में सरल यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया है ।

शोध अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण

प्रस्तुत शोध में आंकड़ों के संग्रहण हेतु प्रमापीकृत उपकरणों का प्रयोग किया गया है :–

- आत्मविश्वास मापनी – डॉ. रेखा गुप्ता
- विद्यालय वातावरण – डॉ. एस.पी. सिंह और डॉ. ए. इमाम

शोध अध्ययन में प्रयुक्त सांख्यिकी

प्रस्तुत शोध में प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, सहसंबंध गुणांक (पियर्सन का गुणन–आघूर्ण विधि) का प्रयोग किया गया है ।

प्रदत्तों का विश्लेषण और व्याख्या

सारणी 1: माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर उनके विद्यालयी वातावरण का प्रभाव

चर	N	M	r
आत्मविश्वास	480	23.13	0.01
विद्यालयी वातावरण	480	74.96	

उपर्युक्त सारणी 1 माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर उनके विद्यालयी वातावरण के प्रभाव को प्रदर्शित करती है। उपर्युक्त सारणी के अनुसार 480 विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का मध्यमान 23.13 तथा विद्यालयी वातावरण का मध्यमान 74.96 है। 480 विद्यार्थियों के आत्मविश्वास तथा विद्यालयी वातावरण के मध्य

सहसंबंध गुणांक का मान 0.01 प्राप्त हुआ है जो कि अति न्यून धनात्मक श्रेणी का है जो यह स्पष्ट करता है कि माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर उनके विद्यालयी वातावरण का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

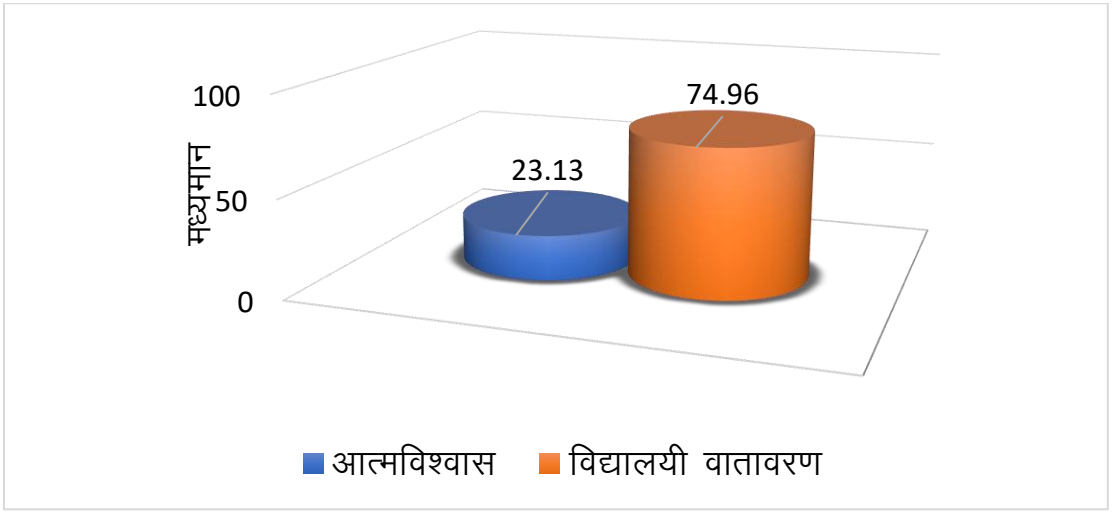

सारणी 2: माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों के आत्मविश्वास पर उनके विद्यालयी वातावरण का प्रभाव

चर	N	M	r
आत्मविश्वास	240	23.32	0.02
विद्यालयी वातावरण	240	75.17	

उपर्युक्त सारणी 2 माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों के आत्मविश्वास पर उनके विद्यालयी वातावरण के प्रभाव को निरूपित करती है। उपर्युक्त सारणी के अनुसार 240 छात्रों के आत्मविश्वास का मध्यमान 23.32 तथा विद्यालयी वातावरण का मध्यमान 75.17 है। 240 छात्रों के आत्मविश्वास तथा विद्यालयी वातावरण के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान 0.02 प्राप्त हुआ है जो कि अति न्यून धनात्मक श्रेणी का है जो यह स्पष्ट करता है कि माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के आत्मविश्वास पर उनके विद्यालयी वातावरण का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

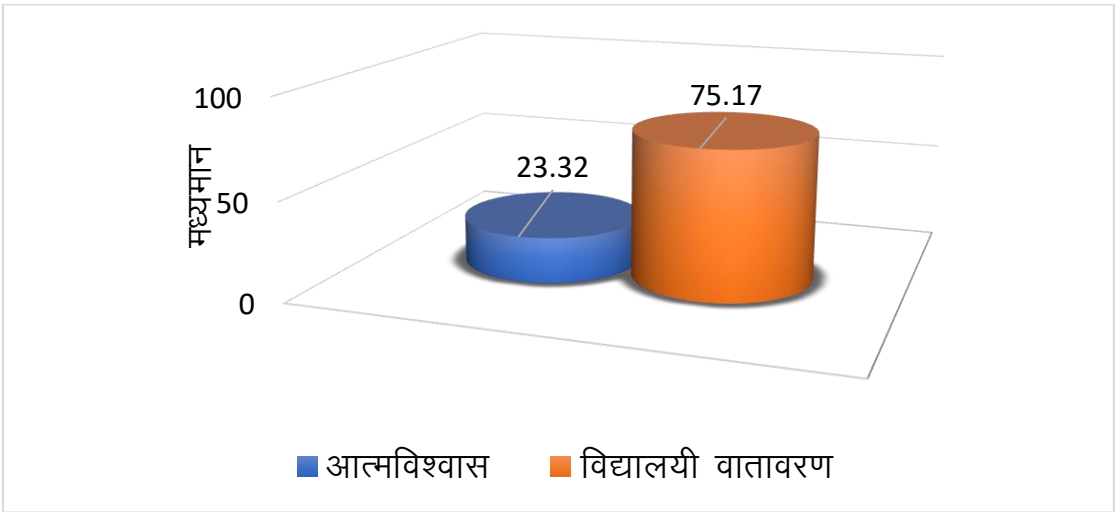

सारणी 3: माध्यमिक विद्यालयों की छात्राओं के आत्मविश्वास पर उनके विद्यालयी वातावरण का प्रभाव

चर	N	M	r
आत्मविश्वास	240	22.94	0.01
विद्यालयी वातावरण	240	74.76	

उपर्युक्त सारणी संख्या 3 माध्यमिक विद्यालयों की छात्राओं के आत्मविश्वास पर उनके विद्यालयी वातावरण के प्रभाव को दर्शाती है। उपर्युक्त सारणी के अनुसार 240 छात्राओं के आत्मविश्वास का मध्यमान 22.94 तथा विद्यालयी वातावरण का मध्यमान 74.76 है। 240 छात्राओं के आत्मविश्वास तथा विद्यालयी वातावरण के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान 0.01 प्राप्त हुआ है जो कि अति न्यून धनात्मक श्रेणी का है जो यह स्पष्ट करता है कि माध्यमिक विद्यालयों की छात्राओं के आत्मविश्वास पर उनके विद्यालयी वातावरण का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है

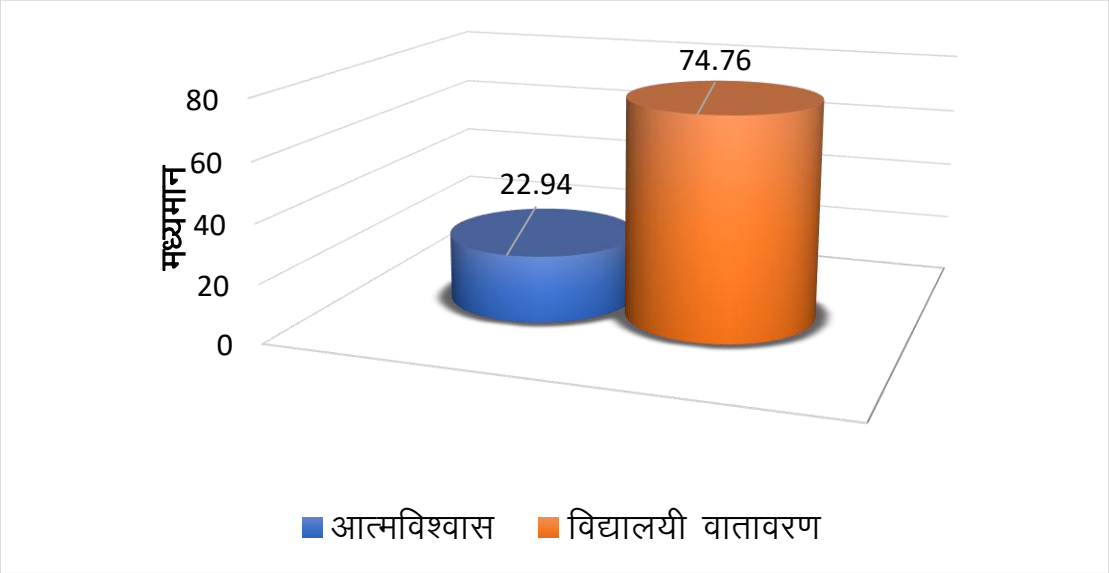

शोध के परिणाम एवं निष्कर्ष

अध्ययन से प्राप्त महत्वपूर्ण निष्कर्ष निम्नलिखित प्रकार से हैं –

- सारणी 1 से यह निष्कर्ष निकलता है कि माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर उनके विद्यालयी वातावरण का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है ।
- सारणी 2 से यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों के आत्मविश्वास पर उनके विद्यालयी वातावरण का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है ।
- सारणी 3 से यह निष्कर्ष ज्ञात होता है कि माध्यमिक विद्यालयों की छात्राओं के आत्मविश्वास पर उनके विद्यालयी वातावरण का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है ।

अतः यह कहा जा सकता है कि माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों का आत्मविश्वास उनके विद्यालयी वातावरण से प्रभावित नहीं होता है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. आस्थाना, विपिन (2011), शिक्षा और मनोविज्ञान में सांख्यिकी, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा।
2. बाजपेयी, डॉ. एस. आर. (2002), सामाजिक अनुसंधान तथा सर्वेक्षण, किताब घर, कानपुर।

3. भटनागर, ए. बी. भटनागर, मिनाक्षी, अनुराग, (2003), एजुकेशनल साइकोलॉजी, आर. लाल बुक डिपो।
4. गुप्ता, एस. पी. (2005), उच्च शिक्षा मनोविज्ञान, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
5. गुप्ता, एस. पी. (2006), सांख्यिकीय विधियाँ, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
6. गुप्ता, एस. पी. गुप्ता, अलका (2007), सांख्यिकीय विधियाँ, पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
7. मंगल, एस. के (2009), शिक्षा मनोविज्ञान, पी0एच0आई0 लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. माथुर, एस. एस. (2009), शिक्षा मनोविज्ञान, अग्रवाल पब्लिकेशन्स, आगरा।
9. मिश्रा, महेन्द्र कुमार (2009), मापन एवं मूल्यांकन, अर्जुन हाउस पब्लिशिंग, नई दिल्ली।
10. Gupta, Madhu & Lakhani, Bindiya. (2018). Parenting as the key determinant of self-confidence among secondary school students. Indian Journal of Applied Research 8(6), 44-47. Retrieved from http://wwjornals.com.
11. Harinarayanan, S., & Pazhanivelu, G. (2018). Impact of School Environment on Academic Achievement of Secondary School Students at Vellore Educational District. International Journal of Education, 7(1), 13-19.
12. Nalbur, V (2021) Interdisciplinary Art Education and Primary Teaching Students' Self Confidence, Cypriot Journal of Educational Sciences, 16(4), 2010- 2023.
13. Roebuck, Grace Marie. (2020). School Environment, Academic Performance and Student Wellness: Investigating How Social and Built Components of a School Environment Can Optimize Academic Performance While Protecting and Enhancing Students Physical and Mental Well-being. Master's Dissertation. Vassar College, New York. Retrieved from https://theccd.org/wpcontent/uploads/2020/06/Thesis-2020School-Environment-AcademicPerformance-and-Student-Wellness.pdf
14. Tapia-Fonllem, C., Fraijo-Sing, B., Corral-Verdugo, V., Garza-Terán, G. & Moreno Barahona, M. (2020). School Environments and Elementary School Children's Well-Being in North Western Mexico. Frontiers in Psychology. 11:510.doi:10.3389/fpsyg.2020.00510

❑❑❑